राजस्थान पत्रिका

Thursday, January 14th, 2010

शिक्षा से ही देश की तरक्की संभव : लोकायुक्त

कन्नड़ हब्बा कार्यक्रम में कहा

बेंगलूरु, 13 जनवरी (का.सं.)। शिक्षा सिर्फ डिग्री हासिल करना नहीं है, बल्कि शिक्षा व्यक्ति के व्यक्तित्व, चरित्र वं श्रेष्ठ आचरण के निर्माण की प्रक्रिया है। शिक्षा के माध्यम से ही आजादी के बाद भारत ने सामाजिक व आर्थिक विकास को एक अंतर्दृष्टि प्रदान की है। इसलिए शिक्षा से ही देश की तरक्की संभव है।

यह बात भगवान महावीर जैन महाविद्यलय के कन्नड़ वेदिके-कन्नड़ साहित्य व संस्कृति प्रकोष्ठ की ओर से महाविद्यालय परिसर में बुधवार को आयोजित कन्नड़ हब्बा कार्यक्रम में लोकायुक्त संतोष हेगड़े ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि आज विश्व की सभी प्रमुख शक्तियों के बीच भारत अपना विशेष स्थान रखता है और यह सब शिक्षा के जरिए संभव हो सका है। इस बीच उन्होंने छात्राओं के सवालों के जवाब देते हुए कहा कि देश के विकास में शहरी व ग्रामीण विभाजन, शहरी व्यवस्था, भ्रष्टाचार व दोषपूर्ण प्रशासन कुछ मुख्य बाधाएं आ रही हैं। शहर व ग्रामीण विकास में तालमेल बनाना बहुत जरूरी है। क्योंकि इसके बिना कुछ संभव नहीं है। हेगड़े ने कहा कि लोकायुक्त अधिकार क्षेत्र में जितने में भ्रष्टाचार संबंधी मामले हैं उस पर कार्रवाई की जा रही है। और एक एक कर सब पर्दाफाश होंगे। अगर किसी भी व्यक्ति के पास सही तथ्य या सबूत हैं, तो वह लोकायुक्त में शिकायत कर भ्रष्टाचार को जड़ सहित उखाड़ फेंकने के लिए अग्रसर रहें। क्योंकि आम जनता सरकारी विभागों में जाकर संबंधित अधिकारी से काम कराने के सिलसिले में जाते हैं, लेकिन उनसे काम के बदले में मोटी रकम मांगी जाती है। कई लोग चुपचाप घूस देकर काम करा लेते हैं, जिसके कारण भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिल रहा है। भ्रष्टाचार पर आम जनता ही अंकुश लगा सकती है। इस अवसर पर जैन महाविद्यालय के प्राचार्य आर. चेनराज जैन सहित महाविद्यलाय व्याख्यता उपस्थित थे।

बेंगलूरु के भगवान महावीर जैन महाविद्यालय में बुधवार को आयोजित कन्नड़ हब्बा कार्यक्रम में छात्राओं से बातचीत करते लोकायुक्त संतोष हेगड़े।